तर्ज--चाहे पास हो चाहे दूर हो

श्यामा श्याम हो, धनी धाम हो
तेरे चरणो में मेरा प्रणाम हो

1--रगं मोहोल में रहन हमारी
युगल सरूप की छवि जहां प्यारी

2--मूल मिलावा ,खिलवत खाना
परआतम का असल ठिकाना

3-- प्रीत पिया की अति सुखदायी
पर निसबत बिन किसी ने ना पायी

4--सतगुरू बन पिया आप पधारे
तारतम के किये उजियारे

Nijanand App